Part – 5
Sub – Hindi
Class – X

Revision Test Paper (2020-21)
Test – 1
Class – X
Sub – Hindi

पूर्णांक : 30

प्रश्न–1 पदबंध किसे कहते है – **(1)**

प्रश्न–2 निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए – **(5)**

1. <u>चोट खाए हुए तुम</u> भला क्या खेलोगे?
2. <u>घर से भागकर आया हुआ लड़का</u> पकड़ा गया।
3. सूरज <u>धीरे–धीरे</u> डूबता जा रहा था।
4. विराट <u>बहुत अच्छा</u> खेलता है।
5. पतंग हवा में <u>उड़ती चली गई।</u>

प्रश्न–3 निम्नलिखित मुहावरों के वाक्य–प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए – **(3)**

आग बबूला होना , फूटी आँख न सुहाना , टेढ़ी खीर होना

प्रश्न–4 बैंक की चेक–बुक खो जाने के सूचनार्थ बैंक–प्रबंधक को पत्र लिखिए। **(3)**

प्रश्न–5 एक नई स्कूटी, जिसकी तेल–खपत 60 किलोमीटर प्रति लीटर है–जेनेथ स्कूटी। इसका विज्ञापन तैयार कीजिए। कंपनी का पता है–333, इंडस्ट्रियल एरिया, बंगलौर। **(3)**

प्रश्न–6 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **(5)**

(क) <u>वृक्षारोपण का महत्व</u>
वृक्षारोपण का अर्थ
वृक्षारोपण क्यों
हमारा दायित्व

(ख) <u>बढ़ती जनसंख्या का भयावह रूप</u>
जनसंख्या–वृद्धि एक भयावह समस्या
परिणाम
कारण और समाधान

(ग) <u>समय बहुमूल्य है अथवा बीता अवसर हाथ नहीं आता</u>
समय का महत्व
समय का सदुपयोग करने वाले कुछ सफल व्यक्ति
उपसंहार

प्रश्न–7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थी? **(1)**

(ख) 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर–तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत है? **(2)**

(ग) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? **(2)**

प्रश्न–8 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (5)

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है–आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है। एक मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही–गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और समाने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थितियों में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से ज़ाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज़्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज़्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज़्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज़्यादा से ज़्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूज़वेल्ट अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और उस दौरान उनकी बातें ज़्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

प्रश्नः–

1. *अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है?*
2. *अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों?*
3. *अधिक बोलना किन बातों का सूचक है?*
4. *रूज़वेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है?*
5. *उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।*

अथवा

मनुष्य जन्म से ही अहंकार का इतना विशाल बोझ लेकर आता है कि उसकी दृष्टि सदैव दूसरों की बुराइयों पर ही टिकती है। आत्मनिरीक्षण को भुलाकर साधारण मानव केवल परछिद्रान्वेषण में ही अपना जीवन बिताना चाहता है। इसके मूल में उसकी ईर्ष्या की दाहक दुष्प्रवृत्ति कार्यषील रहती है। दूसरे की सहज उन्नति को मनुष्य अपनी ईर्ष्या के वशीभूत होकर पचा नहीं पाता और उसके गुणों को अनदेखा करके केवल दोषों और दुर्गुणों को ही प्रचारित करने लगता है। इस प्रक्रिया में वह इस तथ्य को भी विस्मृत कर बैठता है कि ईर्ष्या का दाहक स्वरूप स्वयं उसके समय, स्वास्थ्य और सद्वृत्तियों के लिए कितना विनाषकारी सिद्ध हो रहा है। पर निंदा को हमारे शास्त्रों में भी पाप बताया गया है। वास्तव में मनुष्य अपनी न्यूनताओं, अपने दुर्गुणों की ओर दृष्टि उठाकर देखना भी नहीं चाहता क्योंकि स्वयं को पहचानने की यह प्रक्रिया उसके लिए बहुत कष्टकारी है।

प्रश्नः–

1. *अहंकार के कारण मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?*
2. *दूसरों की उन्नति को मनुष्य क्यों नहीं देखना चाहता?*
3. *किस प्रक्रिया में मनुष्य के स्वास्थ्य और सदाचार नष्ट हो जाते हैं?*
4. *अहंकार दूर करने के लिए क्या जरूरी है?*
5. *मनुष्य अपनी ओर क्या नहीं देखना चाहता?*

BEST OF LUCK